| वर्ष | मूल्य लाख रु. में |
|---|---|
| 1983-84 . . . . | 147.7 |
| 1984-85 . . . . | 157.6 |
| 1985-86 . . . . | 159.9 |

(घ) 31-3-1986 की स्थिति के अनुसार कालीन बुनाई प्रशिक्षण कार्यक्रम के अधीन सरकारी भंडारों में लगभग 2.30 करोड़ रु. मूल्य के कालीन रखे हुए थे। निजी भंडारों के संबंध में कोई आंकड़े एकत्र नहीं किए जाते।

(ङ) उठाए जा रहे कदम नीचे दिए जा रहे हैं :—

(1) व्यापक प्रशिक्षण के अलावा अधिक गांठों वाले कालीनों की बुनाई में उच्च प्रशिक्षण ;

(2) करघा पश्चात कार्यों जैसे किलपिंग, वाशिंग और फिनिशिंग में प्रशिक्षण ;

(3) भदोई (उ. प्र.) में कालीन प्रौद्योगिकी के लिए एक संस्थान की स्थापना करना ;

(4) उनके आयातों पर शुल्क को 40 प्रतिशत से कम करके 20 प्रतिशत करना तथा निर्यातों के आधार पर उनके शुल्क मुक्त आयात का उदारीकरण ताकि देश में उन की उपलब्धता को बढ़ाया जा सके ;

(5) ऊन का उत्पादन करने वाले राज्यों से ऊन का उत्पादन बढ़ाने के लिए सभी प्रयास करने का अनुरोध किया गया है।

**केन्द्रीय रेशम बोर्ड को पास स्वीकृति के लिए लम्बित पड़ी बिहार राज्य की परियोजनाएं**

1343. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार राज्य की कितनी परियोजनाएं अभी तक केन्द्रीय रेशम बोर्ड के कार्यालय में स्वीकृति के लिए लम्बित पड़ी हैं ; और

(ख) इन परियोजनाओं के कब तक स्वीकृत हो जाने की आशा है ?

**वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री खुर्शीद आलम खान)** : (क) और (ख) बिहार सरकार ने केन्द्रीय रेशम बोर्ड को एक टसर विकास परियोजना भेजी है। केन्द्रीय रेशम बोर्ड ने हाल ही में इस परियोजना रिपोर्ट की समीक्षा की है और इस समय उसमें संशोधन हो रहा है। तत्पश्चात इसे विचार के लिए भारत सरकार को भेजा जाएगा।

**केन्द्रीय रेशम बोर्ड**

1344. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बहुत समय से न तो केन्द्रीय रेशम बोर्ड के अध्यक्ष का नामांकन किया गया है और न ही बोर्ड का पुनर्गठन किया गया है ; यदि हां, तो उसके कारण क्या हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि इस कारण से केन्द्रीय रेशम बोर्ड की अनेक परियोजनाएं आसाम, मणिपुर, बिहार, उड़ीसा और मध्य प्रदेश में कार्यान्वित नहीं की जा रही हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि केन्द्रीय रेशम बोर्ड के कार्यालय को बम्बई से हटाये जाने के पश्चात् से इसके कर्मचारी परेशानी अनुभव कर रहे हैं तथा इससे बोर्ड का कार्य भी बहुत पिछड़ रहा है ; और

(घ) क्या इसके साथ-साथ मूंगा रेशम का उत्पादन बंद होने जा रहा है तथा उत्तर प्रदेश और बिहार में मलबरी रेशम का प्रसार कार्य बंद पड़ा है ?

**वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री खुर्शीद आलम खान)** : (क) केन्द्रीय रेशम बोर्ड का 9 जुलाई, 1985 को पुनर्गठन किया गया है। अध्यक्ष के पद को भरने संबंधी मामले पर सरकार विचार कर रही है।

(ख) से (घ) जी नहीं।